The French Revolution

यह कैसे हुआ?

बैस्टील पर आक्रमण से राजा की फाँसी तक (1789–1793)

1. बैस्टील पर आक्रमण (14 जुलाई 1789):

- पेरिस के नागरिकों को डर था कि राजा सैनिकों के जरिए आंदोलन को कुचलने वाला है।
- नागरिकों ने एक मिलिशिया (स्थानीय सेना) बनाई, हथियार जुटाए और बैस्टील किले पर हमला कर दिया।
- बैस्टील में कुछ ही कैदी थे, लेकिन यह किला राजा की निरंकुश सत्ता और अत्याचार का प्रतीक था।

---

2. परिणाम – किसानों का विद्रोह और 'द ग्रेट फियर' (महाभय):

- गाँवों में किसानों ने जमींदारों की हवेलियों पर हमला किया और सामंती करों से जुड़े दस्तावेज जला दिए।
- यह भय और विद्रोह की लहर 'द ग्रेट फियर' के नाम से जानी गई।
- राष्ट्रीय सभा ने अगस्त 1789 में सामंती विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया।

---

3. मनुष्य और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा (अगस्त 1789):

- इस घोषणा में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांत शामिल थे।
- इसने राजाओं के दैवी अधिकार और पारंपरिक सामाजिक श्रेणी (हायरार्की) को चुनौती दी।

BY: NK MISHRA

---

4. राष्ट्रीय सभा का उदय और राजशक्ति का क्षय:

- एक संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई, जिसमें राजा की शक्ति सीमित कर दी गई।
- 1791 में राजा लुई XVI ने फ्रांस से भागने की कोशिश की (वारेन की उड़ान) जिससे जनता में उनकी छवि और भी खराब हो गई।

---

5. क्रांतिकारी उग्रता में वृद्धि (1792):

- आर्थिक संकट गहराता गया – महँगाई, बेरोज़गारी, और युद्ध की मार।
- जैकॉबिन जैसे कट्टरपंथी समूह अधिक प्रभावशाली हो गए।
- अगस्त 1792 में क्रांतिकारियों ने शाही महल पर हमला किया और लुई XVI को गिरफ्तार कर लिया।

---

6. राजशाही का अंत और राजा पर मुकदमा:

- सितंबर 1792 में फ्रांस को गणराज्य घोषित कर दिया गया।
- राजा लुई XVI पर देशद्रोह (treason) का मुकदमा चलाया गया।

7. राजा की फाँसी (जनवरी 1793):

- राजा को दोषी ठहराया गया और गिलोटिन द्वारा मृत्यु दंड दिया गया।
- इस घटना से फ्रांस में राजशाही का पूर्ण अंत हो गया।

यह क्यों हुआ?

राजा की सत्ता के पतन के पीछे प्रमुख कारण:

---

1. सामाजिक असमानता (Social Inequality):

- समाज को तीन वर्गों (Estates) में बाँटा गया था:
  - प्रथम वर्ग: पादरी (Clergy)
  - द्वितीय वर्ग: कुलीन वर्ग (Nobility)
  - तृतीय वर्ग: आम जनता (किसान, मजदूर, व्यापारी, आदि)
- प्रथम और द्वितीय वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त थे, जबकि:
  - तृतीय वर्ग पर ही सारा कर बोझ था और उन्हें कोई अधिकार नहीं थे।
- इससे समाज में गहरा असंतोष और नाराजगी फैल गई।

---

2. आर्थिक संकट (Economic Crisis):

- अत्यधिक कर, खराब फसलें और रोटी की बढ़ती कीमतों ने जनता को भूख और गरीबी में धकेल दिया।
- राजा और दरबार के भव्य खर्चों और युद्धों (जैसे अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम) में खर्च ने देश को कर्ज में डुबो दिया।

---

3. कमज़ोर नेतृत्व (Weak Leadership):

- राजा लुई XVI निर्णय लेने में असमर्थ थे और जनता की समस्याओं से अलग-थलग थे।
- रानी मेरी एंटोनेट को जनता ने भोग-विलास में डूबी और असंवेदनशील माना।

---

4. प्रबोधन विचारधारा (Enlightenment Ideas):

- रूसे (Rousseau), वोल्टेयर (Voltaire), और मॉन्टेस्क्यू (Montesquieu) जैसे विचारकों ने नए विचारों को जन्म दिया:
  - लोक-संप्रभुता (Popular Sovereignty)
  - स्वतंत्रता और समानता (Freedom and Equality)
  - राजशाही और चर्च की सत्ता की आलोचना

BY: HK MISHRA

5. **राजनीतिक संघर्ष (Political Conflict):**

- **एस्टेट्स जनरल (Estates-General) और बाद में बनी राष्ट्रीय सभा (National Assembly) ने राजा की शक्ति को चुनौती दी।**
- **समय के साथ क्रांति और भी कट्टरपंथी (radical) होती गई, खासकर जब फ्रांस का युद्ध विदेशी ताकतों से शुरू हुआ।**

❖ **18वीं सदी के अंत में फ्रांसीसी समाज**

? बैस्टील पर आक्रमण के बाद की घटनाएँ राजा की सत्ता के पतन और लुई XVI की फाँसी तक कैसे पहुँचीं?

---

1. **आर्थिक संकट और सरकारी कर्ज (Economic Crisis and Government Debt)**

- जब **लुई XVI ने 1774 में सत्ता संभाली**, तब तक फ्रांस पहले से ही **भारी कर्ज** में डूबा हुआ था।
  - **ब्रिटेन के साथ लंबे युद्धों** के कारण
  - **अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम** में सहायता देने से – इसमें 1 अरब लीवर से अधिक खर्च हुआ।
  - **वर्साय दरबार** की **भव्य जीवनशैली** को बनाए रखने में भी अत्यधिक खर्च हुआ।
- स्थिति और बिगड़ गई क्योंकि:
  - सरकार को **उच्च ब्याज दर (10%)** पर कर्ज लेना पड़ता था।
  - बजट का बड़ा हिस्सा **सिर्फ ब्याज चुकाने में** खर्च हो जाता था, असली खर्चों में नहीं।

---

2. **तीसरे वर्ग पर कर का बोझ (Tax Burden on the Third Estate)**

- **फ्रांसीसी समाज तीन वर्गों में बाँटा गया था:**
  - **प्रथम वर्ग**: पादरी (Clergy) – **कोई कर नहीं**
  - **द्वितीय वर्ग**: कुलीन वर्ग (Nobility) – **कोई कर नहीं**, बल्कि उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त थे।
  - **तृतीय वर्ग**: आम लोग – किसान, मज़दूर, व्यापारी, शिक्षक आदि – **सारे करों का बोझ**।
- तृतीय वर्ग को कई प्रकार के कर देने पड़ते थे:
  - **प्रत्यक्ष कर** (टाय - taille) राज्य को
  - **सामंती कर** (feudal dues) कुलीनों को
  - **चर्च कर** (tithes) पादरी वर्ग को
  - **अप्रत्यक्ष कर** (जैसे नमक, तम्बाकू आदि पर)
- **तृतीय वर्ग जनसंख्या का 90%** था, लेकिन इनके पास **राजनीतिक अधिकार नहीं थे।**

---

3. **सामाजिक अन्याय और असंतोष (Social Injustice and Resentment)**

- **पुरानी शासन प्रणाली (Old Regime)** जन्म पर आधारित विशेषाधिकारों पर टिकी थी।
- **किसान वर्ग**:
  - ज़्यादातर के पास या तो जमीन नहीं थी या बहुत छोटी जमीन थी।
  - उन्हें **बिना वेतन** के कुलीनों के लिए काम करना पड़ता था (feudal duties)।
- **बुर्जुआ वर्ग (मध्यम वर्ग)** – व्यापारी, वकील, शिक्षक:
  - इनके पास धन था, लेकिन **राजनीतिक शक्ति से वंचित** थे।

This inequality **created widespread anger** among the common people and especially among the educated middle class, who had been inspired by **Enlightenment thinkers** (like Rousseau, Voltaire, Montesquieu) promoting **equality and rights**.

4. घटनाओं की शुरुआत और तेज़ी से बढ़ती क्रांति
(Triggering Events and Escalation)
राजा ने कर बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग (First और Second Estate) ने विरोध किया।
इसलिए 1789 में राजा को Estates-General की बैठक बुलानी पड़ी, जो 175 वर्षों से नहीं हुई थी।
Third Estate (तीसरा वर्ग) ने इस असमानता का विरोध किया और खुद को राष्ट्रीय सभा (National Assembly) घोषित किया — कहा कि वे ही असली राष्ट्र की आवाज़ हैं।
फिर हुआ 14 जुलाई 1789 को बैस्टील का किला ध्वस्त — जो राजशाही के अत्याचार का प्रतीक था।

इस घटना ने जनता का हौसला बढ़ा दिया और राजा की सत्ता को कमजोर कर दिया।

- 5. राजशाही का पतन
(Collapse of the Monarchy)
- किसानों के विद्रोह पूरे फ्रांस में फैल गए — इसे 'ग्रेट फियर' (महाभय) कहा गया।
- राष्ट्रीय सभा ने कई बड़े सुधार किए: सामंती विशेषाधिकारों को समाप्त किया गया।
- "मनुष्य और नागरिकों के अधिकारों की घोषणा" (Declaration of the Rights of Man and Citizen) जारी की गई — जिसमें स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व के सिद्धांत थे।
- 1791 में राजा लुई XVI ने फ्रांस से भागने की कोशिश की (Flight to Varennes), लेकिन पकड़े गए। जनता ने उन्हें देशद्रोही के रूप में देखा।
- 1792 में फ्रांस को गणराज्य घोषित कर दिया गया (राजशाही समाप्त)।
- जनवरी 1793 में लुई XVI पर मुकदमा चला, उन्हें देशद्रोह (treason) का दोषी पाया गया, और गिलोटिन द्वारा फाँसी दी गई।
- **The Outbreak of the Revolution**

How and why did the French Revolution escalate after the storming of the Bastille?

BY: NK MISHRA

क्रांति का विस्फोट
(The Outbreak of the Revolution)
बैस्टील पर आक्रमण के बाद फ्रांसीसी क्रांति क्यों और कैसे तेज़ हुई?

---

1. संकट में डूबी एक राष्ट्र: सामाजिक और आर्थिक टूटन
(A Nation on the Brink: Social & Economic Breakdown)
- **कड़ाके की ठंड** और **खराब फसल** के कारण रोटी की भारी **कमी और महँगाई** हो गई।
- आम जनता, खासकर **महिलाएँ**, घंटों लाइन में लगती थीं, जबकि **बेकरी वाले रोटी छिपाकर रखते** थे (hoarding)।
- पूरे देश में **भूख, गुस्सा और हताशा** फैल गई — लोगों ने **लूटपाट, विरोध और दंगे** शुरू कर दिए।

---

2. बैस्टील पर हमला (14 जुलाई 1789)
(The Storming of the Bastille)
- राजा ने **पेरिस में सेना भेजी**, जिससे लोगों को लगा कि **सैनिक हमला** कर सकते हैं।
- पहले से ही नाराज़ जनता ने **बैस्टील किले पर हमला** कर दिया — जो **राजा की तानाशाही का प्रतीक** था।
- यह घटना **एक निर्णायक मोड़** बन गई — अब जनता ने सीधे तौर पर **राजशाही को चुनौती** दी।

---

3. गाँवों में 'महाभय' (The Great Fear)

(**The Great Fear in the Countryside**)

- अफवाह फैली कि **जमींदारों (lords)** ने फसलें नष्ट करवाने के लिए **डाकुओं (brigands)** को भेजा है।
- डरे हुए **किसानों ने विद्रोह कर दिया**:
  - जमींदारों की हवेलियों (châteaux) पर हमला किया
  - **सामंती करों के दस्तावेज जला दिए**
  - **अनाज के गोदाम लूट लिए**
- परिणाम: कई **कुलीन वर्ग (nobles)** डर के मारे **फ्रांस छोड़कर भाग गए** — जिन्हें **Émigrés** कहा गया।

---

4. राजनीतिक परिवर्तन: राष्ट्रीय सभा का नियंत्रण

(**Political Change: National Assembly Takes Control**)

- **अब्बे सिएयस (Abbé Sieyès)** नामक पादरी ने एक प्रसिद्ध लेख लिखा — *"What is the Third Estate?"*
  - इसमें उन्होंने कहा कि **तीसरा वर्ग ही असली राष्ट्र है** और उसे ही सत्ता में होना चाहिए।
- उनकी सोच ने क्रांति को और **वैचारिक बल** दिया।
- जनता के बढ़ते दबाव के चलते **राजा लुई XVI को राष्ट्रीय सभा को मान्यता देनी पड़ी** और **संवैधानिक राजतंत्र (constitutional monarchy)** को स्वीकार करना पड़ा।

---

5. सामंतवाद का अंत (4 अगस्त 1789 की रात)

(**Abolition of Feudalism**)

- **राष्ट्रीय सभा ने बड़े ऐतिहासिक सुधार किए:**
  - **सामंती कर और दायित्व खत्म** किए गए
  - **चर्च कर (tithes)** समाप्त हुए
  - **पादरी वर्ग के विशेषाधिकार** छीने गए
  - **चर्च की ज़मीन ज़ब्त** कर ली गई — जिससे **2 अरब लीवर** से अधिक की राशि राज्य को मिली
- यह सुधार **Old Regime (पुरानी सामाजिक व्यवस्था)** का **आधिकारिक अंत** था — जो सदियों से चला आ रहा था।

BY: NK MISHRA

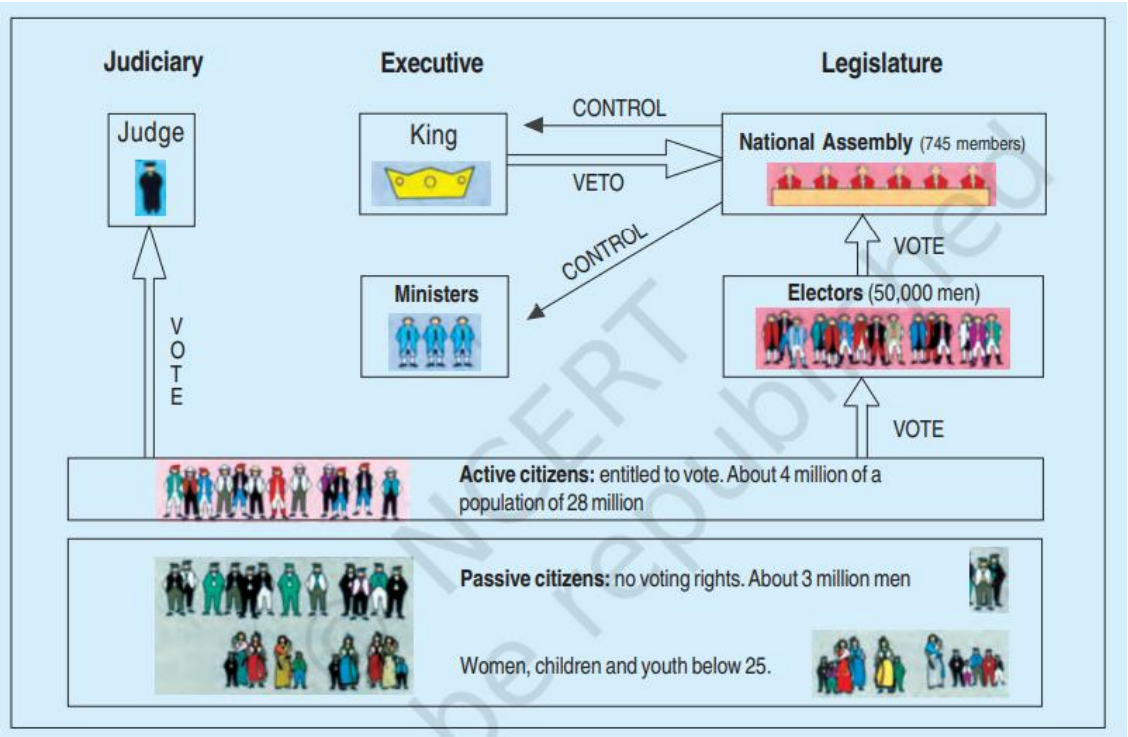

The Political System under the Constitution of 1791

.

❖ 1. 👑 निरंकुश राजशाही का अंत (End of Absolute Monarchy)

- लुई XVI अब पूर्ण राजा नहीं रहे।
- उनकी सत्ता अब क़ानून द्वारा सीमित हो गई थी।
- उन्हें अब चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ सत्ता साझा करनी पड़ी।

2. ⚖️ शक्ति का विभाजन (Separation of Powers)

संविधान ने शासन को तीन शाखाओं में बाँट दिया, जैसा कि प्रबुद्ध विचारकों ने सुझाया था:

❖ शाखा (Branch)	❖ कार्य (Role)
❖ विधायिका (Legislative)	❖ कानून बनाना – यह काम Legislative Assembly करती थी
❖ कार्यपालिका (Executive)	❖ कानून लागू करना – राजा और उनके मंत्री करते थे
❖ न्यायपालिका (Judiciary)	❖ कानून की व्याख्या करना – स्वतंत्र न्यायालय करते थे

---

3. विधायी सभा (The Legislative Assembly)

कुल 745 निर्वाचित सदस्य अधिकार:

- कानून बनाना
- कर तय करना
- बजट पर नियंत्रण
- युद्ध और शांति का निर्णय
- राजा को इस सभा को भंग करने का अधिकार नहीं था।

BY: NK MISHRA

4. राजा के अधिकार (Powers of the King)

- राजा अभी भी राष्ट्र का प्रमुख था।
- उसके पास था सस्पेंसिव वीटो – यानी कानूनों को कुछ समय के लिए टाल सकता था, लेकिन रोक नहीं सकता था।
- राजा मंत्री नियुक्त कर सकता था, लेकिन वे विधायी सभा के प्रति जवाबदेह थे, राजा के प्रति नहीं।

---

5. नागरिक और मताधिकार (Citizens and Voting Rights)

नागरिकों को दो वर्गों में बाँटा गया:

A.सक्रिय नागरिक (Active Citizens)

- उम्र: 25 वर्ष से अधिक
- इतनी आय होनी चाहिए कि वे कम से कम 3 दिन की मजदूरी के बराबर कर दे सकें
- उन्हें था:

- वोट देने का अधिकार
- वे Electors चुनते थे, जो फिर विधान सभा के सदस्य चुनते थे

❖ B. निष्क्रिय नागरिक (Passive Citizens) उन्हें:

- मौलिक अधिकार (जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, कानून के सामने समानता) तो थे लेकिन वोट देने का अधिकार नहीं था
- स्त्रियाँ और गरीब लोग इस वर्ग में आते थे
- केवल 28 में से 4 करोड़ (लगभग 14%) लोग ही सक्रिय नागरिक थे

❖ ---

6. ⚖️ स्वतंत्र न्यायपालिका (Independent Judiciary)

- जजों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता था
- न्यायपालिका राजा और संसद से स्वतंत्र थी
- यह एक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष न्याय प्रणाली की दिशा में कदम था
- **फ्रांसीसी क्रांति के राजनीतिक प्रतीक और उनका अर्थ**

प्रतीक	विवरण/छवि	अर्थ/मतलब
टूटी हुई जंजीर (Broken Chain)	टूटी हुई लोहे की जंजीर	स्वतंत्रता — दासता, तानाशाही या उत्पीड़न का अंत
लाठी का गठ्ठर (Bundle of Rods - Fasces)	कई डंडों का गठ्ठर, बीच में कुल्हाड़ी के साथ	एकता में शक्ति — अकेली लाठी कमजोर, लेकिन साथ में मजबूत
त्रिभुज में आँख (Eye of Providence)	त्रिभुज के अंदर एक आँख, रोशनी के किरणों के साथ	ज्ञान, प्रबोधन, ईश्वर की नजर जो स्वतंत्रता पर है
राजा का सिस्टर (Sceptre)	राजा का अधिकार दर्शाने वाली छड़ी	राजशाही की शक्ति — टूट जाने पर राजकीय सत्ता का अंत
लाल फ्रिजियन टोपी (Red Phrygian Cap)	लाल, नरम टोपी जिसकी नोक झुकी होती है	दासता से मुक्ति — पुराने रोमन दासों की टोपी, स्वतंत्रता का प्रतीक
F **नीला-सफेद-लाल त्रिरंग** (Tricolour Flag)	तीन रंगों वाला फ्रांसीसी ध्वज	क्रांतिकारी फ्रांस — स्वतंत्रता (नीला), समानता (सफेद), भ्रातृत्व (लाल)
गिलोटिन (Guillotine)	मौत देने वाला यंत्र	कानून के समक्ष न्याय और समानता — लेकिन आतंक का भी प्रतीक
क्रांतिकारी कॉकेड (Revolutionary Cockade)	लाल, सफेद और नीले रंगों की घुमावदार पिन	टोपी या कपड़ों पर पहन कर क्रांति का समर्थन दिखाना
पूँछ से काटता साँप (Ouroboros)	अपना पूँछ काटता हुआ साँप, एक वृत्त बनाता हुआ	क्रांति की अनंतता या निरंतरता
कानून की पट्टिका (Law Tablet)	पत्थर की पट्टिका जिस पर लिखा होता है	कानून के सामने समानता — कानून लोगों द्वारा बनाए जाते हैं, राजा द्वारा नहीं

❖ फ्रांस में राजशाही का अंत और गणराज्य की स्थापना

1791 के बाद क्रांति और क्यों हुई ज्यादा कट्टर?

---

1. राजा ने क्रांति का धोखा दिया

- लुई XVI ने चुपके से प्रुशिया के राजा से अपनी पूरी शक्ति वापस पाने की साजिश की।

- यूरोप के अन्य राजाओं को भी फ्रांसीसी क्रांति से डर था, वे सैनिक हस्तक्षेप चाहते थे।
- अप्रैल 1792 में, राष्ट्रीय सभा ने ऑस्ट्रिया और प्रुशिया के खिलाफ युद्ध घोषित किया — इसे क्रांतिकारी युद्ध कहा गया।
- युद्ध के कारण भूख, डर और कठिनाइयाँ बढ़ीं, जिससे जनता और अधिक कट्टर हो गई।

2. देशभक्ति की भावना का उभार

- पूरे फ्रांस से स्वयंसेवक सेना में शामिल हुए।
- उन्होंने "ला मार्सैयेज़" गाया, जिसे रौजेट डी लाइल ने लिखा था, और यह बाद में फ्रांस का राष्ट्रीय गान बना।
- युद्ध को "जनता बनाम राजा" और "स्वतंत्रता बनाम तानाशाही" की लड़ाई माना गया।

❖ 3. बढ़ती असमानता और जनता का क्रोध
❖ 1791 के संविधान ने केवल अमीर पुरुषों को वोट देने का अधिकार दिया।
❖ गरीब, कामकाजी वर्ग और महिलाएं राजनीति से बाहर रह गईं।
❖ इससे राजनीतिक क्लब बने, खासकर जैकबिन्स ने ज्यादा कट्टर मांगें उठाईं।
❖ ---
❖ 4. जैकबिन्स और सैं-क्यूलोट्स
❖ जैकबिन्सः एक कट्टर राजनीतिक क्लब, जिसका नेतृत्व मैक्सिमिलियन रोबेस्पियर ने किया।
❖ इसके सदस्य आम लोग थे — कारीगर, दुकानदार, मजदूर।
❖ सैं-क्यूलोट्सः मतलब "गुमछे नहीं पहनने वाले" — वे अमीरों की तरह तंग पैंट नहीं पहनते थे, बल्कि लंबी पतलून पहनते थे।
❖ वे लाल टोपी पहनते थे, जो स्वतंत्रता का प्रतीक थी।
❖ वे शहरी गरीबों का प्रतिनिधित्व करते थे।
❖ महिलाएं सक्रिय थीं, पर ये प्रतीक पहनने से वंचित थीं।
❖ ---
❖ 5. राजशाही का पतन - 10 अगस्त 1792
❖ भोजन की कमी, महंगाई और राजा के विश्वासघात से गुस्साए जैकबिन्स और सैं-क्यूलोट्स ने विद्रोह किया।
❖ ट्यूलरी पैलेस पर हमला किया और राजा के प्रहरी मारे।
❖ राजा परिवार को कैद किया गया और राजशाही निलंबित कर दी गई।
❖ ---
❖ 6. गणराज्य की स्थापना
❖ नए चुनाव हुए, अब 21 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष (धन के बावजूद) वोट दे सकते थे।
❖ नया सरकार कन्वेंशन बना।
❖ 21 सितंबर 1792 को राजशाही खत्म कर फ्रांस को गणराज्य घोषित किया गया।
❖ ---
❖ 7. लुई XVI का मुकदमा और फाँसी
❖ देशद्रोह के आरोप में मुकदमा चलाया गया (विदेशी राजाओं के साथ साजिश)।
❖ दोषी पाए गए और 21 जनवरी 1793 को गिलोटिन से फाँसी दी गई।
❖ उनकी पत्नी, मेरी एंटोनेट भी कुछ समय बाद मारी गई।
❖ ---
❖ इस घटना का महत्व

ALANK MISHRA

घटना	महत्व
ऑस्ट्रिया और प्रुशिया के खिलाफ युद्ध	क्रांतिकारियों को एकजुट किया, कठिनाइयाँ बढ़ाईं
राजशाही का पतन	फ्रांस में 1000 वर्षों का राजशाही शासन खत्म हुआ
जैकबिन्स और सैं-क्यूलोट्स का उदय	गरीब और मजदूर वर्ग को आवाज़ मिली
गणराज्य की स्थापना	चुनी हुई सरकार पर आधारित नया शासन स्थापित हुआ
राजा का फाँसी होना	यूरोप में सनसनी फैलाई, क्रांति को और कट्टर बना दिया

❖ Did Women have a Revolution?

Women's Roles During the French Revolution

क्या महिलाओं ने भी क्रांति की?

◆ फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं की भूमिका

- शुरुआत से ही महिलाएं क्रांति में सक्रिय रहीं।
- ज़्यादातर महिलाएं **तीसरे वर्ग (Third Estate)** से थीं और काम करती थीं:
- दर्ज़ी (seamstresses), धोबिन (laundresses)
- फूल, फल, सब्ज़ी बेचने वाली
- अमीरों के घरों में नौकरानी
- उन्हें **शिक्षा या प्रशिक्षण** नहीं मिल पाता था।
- साथ ही उन्हें घरेलू काम भी करने पड़ते थे:
- खाना बनाना, पानी लाना, रोटी के लिए लाइन में लगना, बच्चों की देखभाल

❖ ◆ उनकी माँगें और राजनीतिक भागीदारी

- महिलाओं ने **राजनीतिक क्लब** बनाए और अख़बार भी निकाले।
- पूरे फ्रांस में लगभग **60 महिला क्लब** बने।
- सबसे प्रसिद्ध क्लब था: **Society of Revolutionary and Republican Women**
- उनकी प्रमुख माँगें थीं:
- **राजनीतिक अधिकार** (मतदान, चुनाव लड़ना)
- सरकार में **प्रतिनिधित्व**
-

❖ ◆ शुरुआती सुधार

- क्रांतिकारी सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण सुधार किए:
- **लड़कियों के लिए अनिवार्य शिक्षा**
- शादी में **लड़की की सहमति अनिवार्य** और उसका कानूनी पंजीकरण
- **तलाक** अब पुरुष और महिला दोनों ले सकते थे
- महिलाओं को कुछ पेशों (जैसे कला, व्यापार) में काम करने की अनुमति मिली

❖ ◆ प्रतिरोध और प्रतिबंध

- **Reign of Terror** (1793-94) के दौरान:
- महिला क्लब **बंद कर दिए गए**
- महिलाओं की राजनीतिक गतिविधियाँ **ग़ैरक़ानूनी** घोषित की गईं
- कई सक्रिय महिलाओं को **गिरफ़्तार** या **फाँसी** दे दी गई

BY: NK MISHRA

🔹 लंबा संघर्ष

- क्रांति के बाद भी **महिलाओं को बराबरी के अधिकार नहीं मिले**।
- 19वीं और 20वीं सदी में महिलाओं ने **मताधिकार आंदोलन** चलाया।
- क्रांतिकारी महिलाओं की याद एक **प्रेरणा स्रोत** बनी रही।
- **1946 में फ्रांस की महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला।**

❖ दासप्रथा का अंत (Abolition of Slavery)

🔹 पृष्ठभूमि: फ्रांसीसी उपनिवेश और दास व्यापार

- कैरेबियाई द्वीपों (मार्टीनिक, ग्वाडेलूप, सैन डोमिंगो) में उपनिवेश थे।
- वहाँ **चीनी, कॉफी, इंडिगो, तंबाकू** की खेती होती थी।
- मजदूरों की कमी को पूरा करने के लिए **त्रिकोणीय दास व्यापार** शुरू हुआ:
- फ्रांसीसी व्यापारी यूरोप से अफ्रीका गए
- वहाँ से स्थानीय मुखियाओं से दास ख़रीदे
- दासों को जहाज़ में भरकर कैरेबियन ले जाया गया
- वहाँ उन्हें बेचा गया
- फ्रांस के बंदरगाह शहर जैसे **बोर्दो और नांते** दास व्यापार से अमीर बने।

🔹 क्रांति और दासप्रथा

- 1700 के दशक में दासप्रथा को लेकर बहुत विरोध नहीं था।
- **National Assembly** ने दासों को अधिकार देने पर चर्चा की, पर:
- **कोई कानून पास नहीं हुआ**
- व्यापारियों और बागान मालिकों के विरोध के डर से

🔹 जैकोबिनों के शासन में उन्मूलन (1794)

- **1794 में, Jacobin सरकार** (The Convention) ने:
- **सभी फ्रांसीसी उपनिवेशों में दासप्रथा समाप्त कर दी।**
- यह एक **क्रांतिकारी सामाजिक सुधार** था।

🔹 नेपोलियन का उल्टा फैसला (1804)

- **1804 में नेपोलियन** ने दासप्रथा **फिर से शुरू** कर दी।
- बागान मालिकों ने इसे अपनी "स्वतंत्रता" बताया — दूसरों को गुलाम बनाने की।

🔹 अंतिम समाप्ति (1848)

- **1848 में**, फ्रांसीसी सरकार ने **स्थायी रूप से दासप्रथा समाप्त** कर दी।

❖ क्रांति और रोज़मर्रा की ज़िंदगी (The Revolution and Everyday Life)

❖ ❓ क्या फ्रांसीसी क्रांति ने आम लोगों की ज़िंदगी को बदला?

हाँ!

1789 के बाद, लोगों के:

- **पहनावे (dress)**
- **बोलचाल (language)**

BY: NK MISHRA

- पढ़ने और सोचने के तरीकों में बड़े बदलाव आए।
- ---

❖ 🛑 सेंसरशिप का अंत (Abolition of Censorship)
❖ पुराने शासन (Old Regime) में:
- राजा के अधिकारी (censors) हर किताब, अख़बार, नाटक को जांच कर मंज़ूरी देते थे।
- क्रांति के बाद (1789):
- सेंसरशिप समाप्त कर दी गई।
- "मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा" में लिखा गया:
- बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक प्राकृतिक अधिकार है।
- ---

❖ 📰 प्रेस की आज़ादी (Freedom of the Press)
- अब अख़बार, पैम्फलेट्स, किताबें और चित्रों का तेज़ी से प्रसार हुआ।
- क्रांतिकारी विचार शहरों से लेकर गाँवों तक पहुँचे।
- लोग अब विभिन्न विचारों को पढ़ और समझ सकते थे।
- छपाई (print) का इस्तेमाल:
- बहस (debate)
- शिक्षा (education)
- जनमत बनाने (persuade) के लिए हुआ।

❖ 🎭 जन-संस्कृति (Popular Culture)
- नाटक, गीत, त्योहार आदि ने आम लोगों को ये विचार समझने में मदद की:
- स्वतंत्रता (liberty)
- न्याय (justice)
- समानता (equality)
- कठिन राजनीतिक विचार भी इन सांस्कृतिक माध्यमों से आम जनता तक पहुँचे।
- ---

❖ 📜 निष्कर्ष: क्रांति का प्रभाव
❖ (Conclusion – Impact of the Revolution)
❖ नेपोलियन बोनापार्ट (Napoleon Bonaparte)
- 1804 में खुद को सम्राट घोषित किया।
- यूरोप के कई हिस्सों पर चढ़ाई की, पुराने राजाओं को हटाकर अपने रिश्तेदारों को गद्दी दी।
- कुछ प्रमुख सुधार:
- निजी संपत्ति की सुरक्षा
- दशमलव प्रणाली द्वारा माप-तौल का मानकीकरण
- शुरुआत में उन्हें "मुक्तिदाता" समझा गया, लेकिन जल्द ही उन्हें एक आक्रामक शासक माना गया।
- 1815 में वाटरलू (Waterloo) की लड़ाई में हार हुई।
❖ ---

❖ 🌍 फ्रांसीसी क्रांति की विरासत (Legacy of the French Revolution)
- स्वतंत्रता, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों के विचार पूरे यूरोप में फैल गए।
- सामंती व्यवस्था (feudalism) का अंत हुआ।
- उपनिवेशों में भी स्वतंत्रता की भावना जागी।
  ➤ उदाहरण:

BY: NK MISHRA

- टीपू सुल्तान (भारत)
- राजा राममोहन राय (भारत)
  → इन पर भी क्रांतिकारी विचारों का प्रभाव पड़ा।
-

BY: NK MISHRA